



वाभात वाभात

৪ ৭ ছবি ও লেখা ঃ সিগ্রুণ শ্রীবাস্তব

অনুবাদ ; স্বপ্না দত্ত





वासात वागाविष्टिक वासि थूव छानवाित । वासात वागावित सानी अवासिर ।



वासात वागाव খूव वरु वरा।

एंटोका এक कालि क्रिस साज।

किन्न वागावटी वरु श्रन्तत।

उटे। वासात विष्कृत किना।

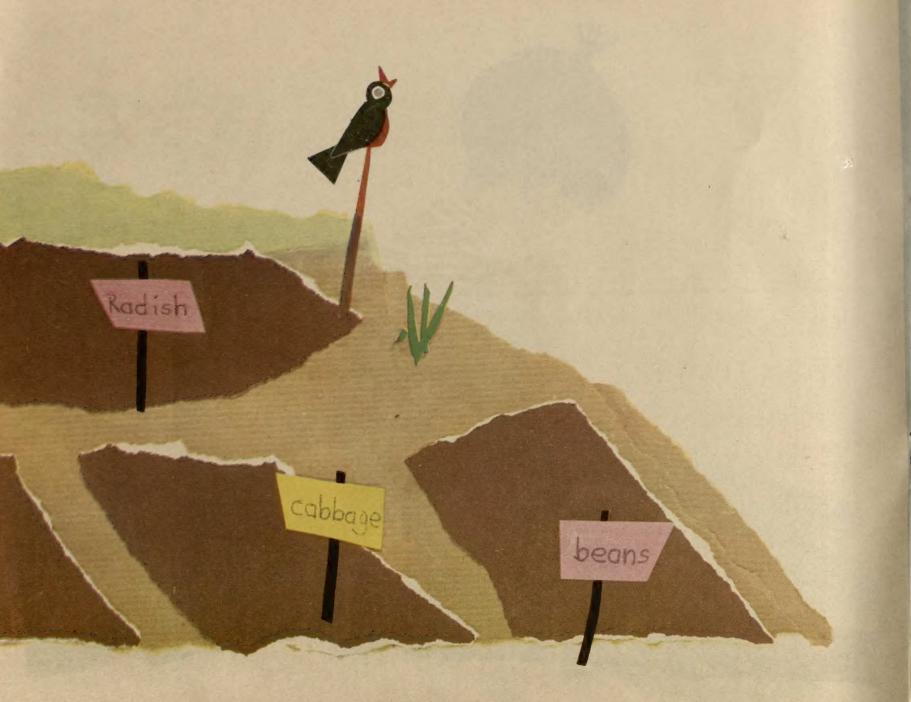




वागात वासि খूव सन फिरा काफ कित ।
साछि थूँ एक प्रिणेटिक मसान करत फिरे।
जातभत ছाछ ছाछ फिताती जिती कित ।
अक अकछ। जतकातीत फला अक अकछ। ।
वासात कुटलत फलाउ फलाती जिती ।
कि स्वन्त वासात कुलश्रमा !







তারপর বীজ পুঁততে শুক্ত করি।
গাজর লাগাই, মটর লাগাই।
বেগুন আর পালংশাক,
বাঁধাকপি আর ফুলকপি।
আর ফুলর সবুজ বড় বড় লংকা।
আমার বাবা লংকা খেতে
ভারী ভালবাসেন যে, তাই!





त्वाक प्रकारन जाप्ति वागारत कत फिरे। चात करव हाताश्रमा रवरतारव সেই অপেক্ষায় থাকি। अक फित एमि। व फित। ठित फित। পুরো সপ্তাহটাই অপেক্ষা করে কাটে। তারপর যখন সব আশাই ফুরিয়ে গেছে उथत रुठाए सुरला गाष्ट्रभरला साि कूँ एउ अर्छ।

जासात अञ जातन रहा एय जासि ताएए छक कति।







अवारत আমার প্রিয় ফুল আর তরকারীর

চারাগুলো তুলে নিয়ে তাদের নিজের নিজের

জায়গায় লাগিয়ে দিই।

তার মধ্যে ফুক্স থাকে, পিটুনিয়া থাকে।

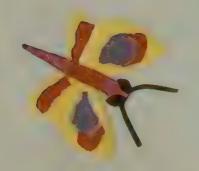
আর থাকে লিলি আর ক্যালেণ্ডুলা।

শীতকালে গোলাপণ্ড হয়।

গোলাপগুলো কি সুন্দর আর কি মিষ্টি গন্ধ।



এবারে গাছের উপর तृष्टि পড়ছে। वास्य वास्य छित्र छित्र छित्र करत । वर्षात नमरश वावात জात জात वृष्टि পড়ে।



কত ছোট ছোট প্রাণী আমার বাগানে ঘুরতে আসে। প্রজাপতিরা আসে। মৌমাছিরা আসে। কাঠবিড়ালি, কেঁচো আর ব্যাণ্ডেরাও আসে।





त्राध्वता जातात सूरतात छेशत हिरहा त्याक्तिया जाति है वाकिरहा याहा। जात तृष्टि श्रम् ताँधाकिशत शाठात तीरह तरम शाक। अता तमरत जामात किन्न ताग रहा ता। उथन अस्तत रम्भण्य कि मुझा नारग।





কিন্তু পাশের বাড়ীর বেড়াল ভিংকি আমার বাগানে এলে আমার ভারী রাগ হয়। সে ইঁছরের খোঁজে ফুলের ঝাড়ের মধ্যে লাফায় কিনা। আমি যতই বলি যে 'আমার বাগানে ইঁছর নেই' সে মোটেই আমার কথা শোনে না



जात जामात निनिक्न नश्रम।

माड़िरा हरन यार।

जामात ছোট গোলাপী निनिक्न ।

उथन जामात कांम्ट ইচ্ছ করে।



हर् शिथिता व्यासात सन थाताश्र करत एत् । जाता व्यासात शानः व्यात सहैत छरता ठूंकरत एत् । व्यासि जाएत व्या एतथारतात करता এक है। काक जार्यु या दिन्ती कतलास। किछ (प्रहे। एतथा जाता स्माए हैं- व्या तथा । एत्रिन है व्यातात किरत अन।



चारि चारि अक नमरा नश्काश्वरता राजात में रहा। छैरसरिष्धिता (भरक नान राम अस्टि। वासि वासात यूर्डिणि नित्रा ठतकाती ठून ए यारे। ताजर जातकश्रमा जतकाती जामात मज रहा। याता जासारक जात जासात तागान प्रशंक जाएम जाम्त नवारेकरे जात शिक कि कि मिरे। वृप्ति करत वामरत तरला छ।? वासात मत कुल अता कुछिए । सर्वेत छत्वा भव जाजा जात सिष्टि रहा छैर्छ । असा ता. जारे। कालरे असा। वाप्ति वाप्तात वागात जाता जता वार्यका कतत।







